श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ द्वारा मान्य

# आत्म-शिव-तिथि दर्पण

**वी.नि.सं. 2543-44**
**विक्रम संवत् 2074**
**ईस्वी सन् 2017-2018**

मंगलमय दिशा निर्देश
**आत्मज्ञानी सद्गुरुदेव, आगम अतिधन्वा,**
**युगप्रधान आचार्य सम्राट् पूज्य शिवमुनि जी म.सा.**

संयोजन
**श्रमणसंघीय प्रमुख मंत्री श्री शिरीष मुनि जी महाराज**
**सहमंत्री, मधुर गायक श्री शुभम् मुनि जी महाराज**

संकलन
**उत्तर भारतीय प्रवर्तिनी श्रमणी सूर्या श्री सरिता जी म.सा. की**
**सुशिष्या तपस्विनी साध्वी डॉ. श्री शुभा जी म.सा. ( पिंकी जी )**

पुस्तिका : आत्म-शिव तिथि-दर्पण
दिशा-निर्देश : आचार्य सम्राट् श्री शिव मुनि जी म.
संयोजन : श्रमणसंघीय मंत्री श्री शिरीष मुनि जी महाराज
: युवामनीषी, मधुर गायक श्री शुभम् मुनि जी महाराज
संकलन : डॉ. साध्वी श्री शुभा जी म. (पिंकी जी)
प्रकाशक : शिवाचार्य ध्यान सेवा समिति
मुद्रण प्रबंधन : कोमल प्रकाशन, दिल्ली
दूरभाष : 9210480385

Website : www.jainacharya.org
Email : shivacharyaji@yahoo.co.in
Facebook : http://www.facebook.com/shivmuni
Twitter : http://www.twitter.com/jainacharya
Our Contact No. : 93501-11542
Blogger : http://acharyashivmuni.blogspot.in/
YouTube : http://www.youtube.com/jainacharyaji

# मंगल संदेश

वर्ष 2017-18 का तिथि-दर्पण आपके हाथों में आ रहा है। इस वर्ष को हम प्रभु कृपा से **'सम्यक्त्व वर्ष'** के रूप में मना रहे हैं। इस वर्ष में श्रमण-संघ के साधु-साध्वी, श्रावक-श्राविकाएं देव, गुरु धर्म के प्रति दृढ़ श्रद्धावान बनें। अपनी सम्यक्त्व पुष्ट करते हुए क्षायिक सम्यक्त्व की प्राप्ति का पुरुषार्थ करें। नववर्ष आप सभी में नई चेतना, नई ऊर्जा, नई स्फूर्ति की अभिवृद्धि करे। वर्ष 2017 सबके लिए मंगलकारी हो। सुख, समृद्धि, आनंद से धर्म-मार्ग पर आगे बढ़ो। यही हमारी हार्दिक मंगल कामना।

जैन धर्म में चतुर्विध संघ में धर्म आराधना हेतु पर्व एवं तिथियों का विशेष महत्व है। पर्व तिथियों में विशेष धर्म आराधना, सामायिक, प्रतिक्रमण, शील का पालन, दया, पौषध, उपवास आदि करने की परम्परा है, ताकि साधक संसार से निवृत्त होकर आत्म-ज्ञान एवं ध्यान में लीन होकर आत्म शुद्धि कर कर्म निर्जरा करे।

यह तिथि दर्पण हमें पल-पल विवेक की ओर लेकर जाये। हम अपनी प्रतिक्रिया को घटायें। आश्रव से संवर-निर्जरा की के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने चरम लक्ष्य सिद्धालय को प्राप्त करें।

इस वर्ष के तिथि-दर्पण निर्माण में सहमंत्री श्री शुभम मुनि जी म. एवं महासाध्वी डॉ. शुभा जी म. का विशेष सहयोग रहा, एतदर्थ हार्दिक साधुवाद। चतुर्विध संघ लाभ उठाकर धर्म-आराधना में लीन हो। यही हार्दिक मंगल कामना।

**-आचार्य शिव मुनि**
**( आचार्य श्रमण संघ )**

# श्रमण संघ के पूर्वाचार्यों के जन्म, दीक्षा आदि महत्वपूर्ण तिथियां

**नाम** : **आचार्य श्री आत्माराम जी म.सा.**
**जन्म** : भादवा सुदी द्वादशी, वि.सं. 1939
**दीक्षा** : आषाढ़ शुक्ला पंचमी, वि.सं. 1952
**पद ग्रहण** : वैशाख शुक्ला तृतीया, वि.सं. 2009
**देवलोक** : माघ कृष्णा दशमी, वि.सं. 2019

---

**नाम** : **आचार्य श्री आनंद ऋषि जी म.सा.**
**जन्म** : श्रावण शुक्ला एकम, वि.सं. 1957, 26-7-1900
**दीक्षा** : मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी, वि.सं. 1970
**पद ग्रहण** : अजमेर मुनि सम्मेलन, वि.सं. 2020, सन् 1964
**देवलोक** : 28 मार्च, 1992, वि.सं. 2049

---

**नाम** : **आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि जी म.सा.**
**जन्म** : कार्तिक कृष्णा तेरस, वि.सं. 1988, 8 नवम्बर, 1931
**दीक्षा** : फाल्गुन शुक्ला तृतीया, वि.सं. 1997, 9 मार्च, 1941
**पद ग्रहण** : 28 मार्च, 1993
**देवलोक** : 26 अप्रैल, 1999 – घाटकोपर, मुम्बई

# श्रमण संघ के पदाधिकारी मुनिराजों के जन्म, दीक्षा आदि महत्वपूर्ण तिथियां

**नाम** : **आचार्य सम्राट्, तपसूर्य**
**पूज्य श्री शिव मुनि जी म.सा.**

**जन्म** : 18 सितंबर, 1942, भाद्रपद शुक्लपक्ष नवमी, वि.सं. 1999

**दीक्षा** : 17 मई, 1972, वैशाख शुक्ल पंचमी, वि.सं. 2029

**युवाचार्य पद ग्रहण** : 13 मई, 1987, वैशाख शुक्ल चतुर्दशी, वि.सं. 2044

**आचार्य पद ग्रहण** : 9 जून, 1999, ज्येष्ठ कृष्णा एकादशी, वि.सं. 2056

**आचार्य पद चादर** : 7 मई, 2001, वैशाख सुदी पूर्णिमा, वि.सं. 2058

---

**नाम** : **युवाचार्य श्री महेन्द्र ऋषि जी म.**

**जन्म** : 5 अक्टूबर, 1967

**दीक्षा** : 3 फरवरी, 1982

**पद ग्रहण** : 27 मार्च, 2015

**नाम** : **उपाध्याय श्री विशाल मुनि जी म. 'वाचनाचार्य'**
**जन्म** : 12 नवम्बर, 1953
**दीक्षा** : 22 जनवरी, 1972
**पद ग्रहण** : जनवरी सन् : 1986

---

**नाम** : **उपाध्याय श्री मूलचन्द जी म.**
**जन्म** : आसोज शुक्ला चतुर्थी, वि.सं. 1980
**दीक्षा** : फाल्गुन वदी पंचमी, वि.सं. 1997
**पद ग्रहण** : फाल्गुन कृष्णा पंचमी

---

**नाम** : **उपाध्याय श्री रमेश मुनि जी म.**
**जन्म** : 24 जनवरी, 1951
**दीक्षा** : 15 मार्च, 1965
**पद ग्रहण** : 7 मई, 2003

---

**नाम** : **उपाध्याय श्री जितेन्द्र मुनि जी म.**
**जन्म** : 31 जनवरी, 1957
**दीक्षा** : 7 दिसम्बर, 1975
**पद ग्रहण** : 3 सितम्बर, 2004

---

**नाम** : **उपाध्याय श्री प्रवीण ऋषि जी म.**
**जन्म** : 7 अक्टूबर, 1957
**दीक्षा** : 24 मार्च, 1974
**पद ग्रहण** : 10 सितम्बर, 2004

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **उपाध्याय श्री रवीन्द्र मुनि जी म.** |
| **जन्म** | : | 6 मई, 1960 |
| **दीक्षा** | : | विजयादशमी 1978 |
| **पद ग्रहण** | : | 3 सितम्बर, 2004 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्तक श्री रूपचन्द जी म. 'रजत'** |
| **जन्म** | : | श्रावण शुक्ला दशमी, वि.सं. 1985 |
| **दीक्षा** | : | माघ शुक्ला तेरस, वि.सं. 1999 |
| **पद ग्रहण** | : | सन् 1984 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्तक श्री रमेश मुनि जी म.** |
| **जन्म** | : | आसोज शुक्ला सप्तमी, ई. सन् 1932 |
| **दीक्षा** | : | वैशाख शुक्ला सप्तमी, वि. सन् 2011 |
| **पद ग्रहण** | : | कार्तिक शुक्ला तेरस |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्त्तक श्री कुन्दन ऋषि जी म.** |
| **जन्म** | : | 24 नवम्बर, 1936 |
| **दीक्षा** | : | 9 मई, 1962 |
| **पद ग्रहण** | : | 10 मई, 1994 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्त्तक श्री सुमन मुनि जी म.** |
| **जन्म** | : | वसंत पंचमी, सि.सं. 1992 |
| **दीक्षा** | : | आसोज सुदी तेरस वि.सं. 2007 |
| **पद ग्रहण** | : | 15 अगस्त, 2001 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्तक श्री रतन मुनि जी म.** |
| **जन्म** | : | चैत्र सुदी नवमी, वि.सं. 1994 |
| **दीक्षा** | : | आषाढ़ वदी दशमी, वि.सं. 2007 |
| **पद ग्रहण** | : | भादवा सुदी तेरस, जयमल जयंती, 2004 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्तक श्री मदन मुनि जी महाराज** |
| **जन्म** | : | फाल्गुन सुदी पंचमी, वि.सं. 1987<br>दिनांक 22 फरवरी, 1931 |
| **दीक्षा** | : | कार्तिक वदी नवमी, वि.सं. 2010<br>31 अक्टूबर, 1953 |
| **पद ग्रहण** | : | महावीर जयन्ती, सन् 2003 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्त्तक श्री प्रकाश मुनि जी म. 'निर्भय'** |
| **जन्म** | : | 28 नवम्बर, 1960 |
| **दीक्षा** | : | 8 मई, 1974 |
| **पद ग्रहण** | : | 14 जुलाई, 2012 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **प्रवर्तक डॉ. श्री राजेन्द्र मुनि जी महाराज** |
| **जन्म** | : | दिनांक 1 जनवरी, 1954 |
| **दीक्षा** | : | 15 मार्च, 1965 |
| **पद ग्रहण** | : | 15 मार्च, 2016 |

**नाम** : **महामंत्री श्री सौभाग्य मुनि जी म. 'कुमुद'**
**जन्म** : मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, वि.सं. 1994, 10 दिसम्बर, 1937
**दीक्षा** : माघ शुक्ला पूर्णिमा, वि.सं. 2006, 2 फरवरी, 1960
**पद ग्रहण** : सन् 1987, पूना साधु सम्मेलन

---

**नाम** : **प्रमुख मंत्री श्री शिरीष मुनि जी म.**
**जन्म** : 19 फरवरी, 1964
**दीक्षा** : 7 मई, 1990
**पद ग्रहण** : 7 मई, 2003

---

**नाम** : **मंत्री श्री आशीष मुनि जी म.**
**जन्म** : 28 मार्च, 1953
**दीक्षा** : 26 अप्रैल, 1974
**पद ग्रहण** : 21 मई, 2012

---

**नाम** : **मंत्री श्री कमल मुनि जी म.**
**जन्म** : 13 फरवरी 1957
**दीक्षा** : 22 अप्रैल 1980
**पद ग्रहण** : 21 मई, 2012

---

**नाम** : **सलाहकार श्री सुमतिप्रकाश जी म.**
**जन्म** : अश्विन शुक्ला सप्तमी, वि.सं. 1994, ई. सन् 1938
**दीक्षा** : चैत्र शुक्ला पूर्णिमा, वि.सं. 2016, 26 अप्रैल, 1959
**पद ग्रहण** : 26 नवम्बर, 1987

**नाम** : **सलाहकार श्री सहज मुनि जी म.**
**जन्म** : 18 नवम्बर, 1933
**दीक्षा** : 18 नवम्बर, 1953
**पद ग्रहण** : 1 मई, 1994

---

**नाम** : **सलाहकार श्री सुकन मुनि जी म.**
**जन्म** : पौष शुक्ला चतुर्थी, वि.सं. 2004, 15 जनवरी, 1948
**दीक्षा** : फाल्गुन शुक्ला पंचमी, वि.सं. 2019
**पद ग्रहण** : 13 मई, 1987

---

**नाम** : **सलाहकार श्री सुरेश मुनि जी म. 'शास्त्री'**
**जन्म** : श्रावण वदी तेरस, वि.सं. 1993, ई. सन् 1936
**दीक्षा** : माघ सुदी तेरस, वि.सं. 2016, सन् 1960
**पद ग्रहण** : 7 मई, 2003

---

**नाम** : **सलाहकार श्री तारक ऋषि जी म.**
**जन्म** : विजयादशमी, ई. सन् 1956
**दीक्षा** : 13 मई, 1974
**पद ग्रहण** : 7 मई, 2003

---

**नाम** : **सलाहकार श्री रमणीक मुनि जी म.**
**जन्म** : 2 नवम्बर, 1967
**दीक्षा** : 18 फरवरी, 1980
**पद ग्रहण** : 7 मई, 2003

---

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **सलाहकार श्री दिनेश मुनि जी म.** |
| **जन्म** | : | 22 मई, 1960 |
| **दीक्षा** | : | 7 नवम्बर, 1973 |
| **पद ग्रहण** | : | 7 मई, 2003 |
| **नाम** | : | **सलाहकार श्री विनय मुनि जी म. 'भीम'** |
| **जन्म** | : | 5 जून, 1955 |
| **दीक्षा** | : | 26 जनवरी, 1972 |
| **पद ग्रहण** | : | 7 मई, 2003 |
| **नाम** | : | **सलाहकार श्री राममुनि जी म. 'निर्भय'** |
| **जन्म** | : | 15 अक्टूबर, 1949 |
| **दीक्षा** | : | 25 अप्रैल, 1966 |
| **पद ग्रहण** | : | 29 नवम्बर, 2010 |
| **नाम** | : | **प्रवर्त्तिनी डॉ. श्री चंदना जी म.** |
| **जन्म** | : | 7 मई, 1953 |
| **दीक्षा** | : | 17 जनवरी, 1966 |
| **पद ग्रहण** | : | 29 मई, 2011 |
| **नाम** | : | **प्रवर्त्तिनी डॉ. ज्ञानप्रभा जी म.** |
| **जन्म** | : | 22 जनवरी, 1937 |
| **दीक्षा** | : | 1 मई, 1958 |
| **पद ग्रहण** | : | 6 सितम्बर, 2014 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **उत्तर भारत प्रवर्त्तिनी डॉ. श्री सरिता जी म.** |
| **जन्म** | : | 5 दिसम्बर, 1952 |
| **दीक्षा** | : | 16 फरवरी, 2016 |
| **पद ग्रहण** | : | 5 सितम्बर, 2016 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **राजस्थान प्रवर्त्तिनी डॉ. श्री सुप्रभा जी म.** |
| **जन्म** | : | 23 मार्च, 1952 |
| **दीक्षा** | : | 9 दिसम्बर, 1974 |
| **पद ग्रहण** | : | 15 अक्टूबर, 2016 |

| | | |
|---|---|---|
| **नाम** | : | **उत्तर भारत प्रवर्त्तिनी श्री सुधा जी म.** |
| **जन्म** | : | 1 अगस्त, 1943 |
| **दीक्षा** | : | 14 फरवरी, 1965 |
| **पद ग्रहण** | : | 16 अक्टूबर, 2016 |


## शिवाचार्य प्रवचन-प्रसारण

**"पारस चैनल" पर प्रतिदिन**

**प्रातः 8:05 से 8:25 बजे तक**

## वर्ष के महत्वपूर्ण दिन

| दिनांक | वार | नाम |
|---|---|---|
| 28-3-17 | मंगल | वि.सं. 2074 प्रारम्भ, नवतिथि वर्ष प्रारम्भ |
| 3-4-17 | सोम | आयंबिल ओली प्रारम्भ |
| 9-4-17 | रवि | भगवान महावीर जन्म कल्याणक |
| 11-4-17 | मंगल | आयंबिल ओली सम्पूर्ण |
| 29-4-17 | शनि | अक्षय तृतीया |
| 21-6-17 | बुध | आर्द्रा नक्षत्र, गाज-बीज आदि की अस्वाध्याय प्रारंभ |
| 8-7-17 | शनि | चातुर्मास प्रारम्भ |
| 24-7-17 | सोम | आचार्य सम्राट् श्री आनन्द ऋषि जी म.सा. की जन्म जयंती |
| 15-8-17 | मंगल | कृष्ण जन्माष्टमी, स्वतंत्रता दिवस |
| 19-8-17 | शनि | पर्युषण पर्व प्रारम्भ |
| 26-8-17 | शनि | संवत्सरी महापर्व |
| 3-9-17 | रवि | आचार्य सम्राट् श्री आत्माराम जी म.सा. की जन्म-जयंती, प्रवर्तक श्री शुक्लचंद जी म.सा. की जन्म-जयंती |

| दिनांक | वार | नाम |
|---|---|---|
| 5-9-17 | मंगल | अनन्त चतुर्दशी |
| 18-9-17 | सोम | आचार्य सम्राट् श्री शिव मुनि जी म.सा. की जन्म-जयंती |
| 21-9-17 | गुरु | नवरात्रे प्रारम्भ |
| 27-9-17 | बुध | नवपद आयंबिल ओली प्रारम्भ |
| 30-9-17 | शनि | विजयादशमी |
| 5-10-17 | गुरु | शरद पूर्णिमा, नवपद आयंबिल ओली सम्पूर्ण |
| 5-10-17 | गुरु | जन्म-जयंती युवाचार्य श्री महेन्द्र ऋषि जी म.सा. |
| 17-10-17 | मंगल | धन तेरस |
| 17-10-17 | मंगल | आचार्य सम्राट् श्री देवेन्द्र मुनि जी की जन्म जयंती |
| 18-10-17 | बुध | छोटी दीपावली |
| 19-10-17 | गुरु | बड़ी दीपावली, लक्ष्मी पूजन भ. महावीर निर्वाण दिवस |
| 23-10-17 | सोम | स्वाति नक्षत्र, गाज-बीज आदि की अस्वाध्याय प्रारंभ |

| दिनांक | वार | नाम |
|---|---|---|
| 20-10-17 | शुक्र | गौतम प्रतिपदा, गौतम स्वामी को केवलज्ञान वीर नि.सं. 2544 प्रारंभ |
| 21-10-17 | शनि | भैया दूज |
| 3-11-17 | शुक्र | चौमासी चातुर्मास सम्पूर्ण |
| 3-11-17 | शुक्र | जन्म-जयंती वीर लोंकाशाह |
| 30-11-17 | गुरु | मौन एकादशी |
| 13-12-17 | मंगल | भ. पार्श्वनाथ जी का जन्म-कल्याणक दिवस |
| 3-2-18 | शनि | दीक्षा-जयंती युवाचार्य श्री महेन्द्र ऋषि जी म.सा. |
| 1-3-18 | गुरु | होली चौमासी, होलिका दहन |
| 9-3-18 | शुक्र | भगवान ऋषभदेव जी का जन्म-कल्याणक |
| 10-3-18 | शनि | भगवान ऋषभदेव जी का दीक्षा-कल्याणक |

# नमन

वीर प्रभु महाप्राण, सुधर्मा जी गुणखान।
अमर जी युगभान, महिमा अपार है॥

मोती राम प्रज्ञावन्त, गणपत गुणवन्त।
जयराम जयवन्त, सदा जयकार है॥

ज्ञानी-ध्यानी शालीग्राम, जैनाचार्य आत्माराम।
ज्ञान गुरु गुणधाम, नमन हजार है॥

ध्यान योगी शिवमुनि, मुनियों के शिरोमणि।
पूज्यवर प्रज्ञाधनी शिरीष नैया पर है॥

विक्रम संवत्
2074
वीर निर्वाण संवत्
2543-2544
ईस्वी सन्
2017-2018

पक्खी के
लिए
सर्वत्र
卐
देखें

## चैत्र सुदी

| तिथि | वार | तारीख |
|---|---|---|
| 1 | मंगलवार | 28-3-17 |
| 2 | बुधवार | 29-3-17 |
| 3 | वीरवार | 30-3-17 |
| 4 | शुक्रवार | 31-3-17 |
| 5 | शनिवार | 1-4-17 |
| 6 | रविवार | 2-4-17 |
| 7 | सोमवार | 3-4-17 |
| 8 | मंगलवार | 4-4-17 |
| 9 | बुधवार | 5-4-17 |
| 10 | – | क्षय |
| 11 | वीरवार | 6-4-17 |
| 12 | शुक्रवार | 7-4-17 |
| 13 | शनिवार | 8-4-17 |
| 14 | रविवार | 9-4-17 |
| **卐 15** | **सोमवार** | **10-4-17** |

| वैशाख वदी | | | वैशाख सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | मंगल | 11-4-17 | 1 | बुध | 26-4-17 |
| 2 | बुध | 12-4-17 | 2 | वीर | 27-4-17 |
| 3 | वीर | 13-4-17 | 3 | शुक्र | 28-4-17 |
| 4 | शुक्र | 14-4-17 | 4 | शनि | 29-4-17 |
| 5 | शनि | 15-4-17 | 5 | रवि | 30-4-17 |
| 6 | रवि | 16-4-17 | 6 | सोम | 1-5-17 |
| 7 | सोम | 17-4-17 | 7 | मंगल | 2-5-17 |
| 8 | मंगल | 18-4-17 | 8 | बुध | 3-5-17 |
| 9 | बुध | 19-4-17 | 9 | वीर | 4-5-17 |
| 10 | वीर | 20-4-17 | 10 | शुक्र | 5-5-17 |
| 11 | शुक्र | 21-4-17 | 11 | शनि | 6-5-17 |
| 12 | शनि | 22-4-17 | 12 | रवि | 7-5-17 |
| 13 | रवि | 23-4-17 | 13 | सोम | 8-5-17 |
| 14 | सोम | 24-4-17 | 14 | मंगल | 9-5-17 |
| **卐 30** | **मंगल** | **25-4-17** | **卐 15** | **बुध** | **10-5-17** |

| ज्येष्ठ वदी | | | ज्येष्ठ सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | वीर | 11-5-17 | 1 | शुक्र | 26-5-17 |
| 2 | शुक्र | 12-5-17 | 2 | शनि | 27-5-17 |
| 3 | शनि | 13-5-17 | 3 | रवि | 28-5-17 |
| 4 | रवि | 14-5-17 | 4 | सोम | 29-5-17 |
| 5 | सोम | 15-5-17 | 5 | मंगल | 30-5-17 |
| 6 | मंगल | 16-5-17 | 6 | बुध | 31-5-17 |
| 7 | बुध | 17-5-17 | 7 | – | क्षय |
| 8 | वीर | 18-5-17 | 8 | वीर | 1-6-17 |
| 9 | शुक्र | 19-5-17 | 9 | शुक्र | 2-6-17 |
| 10 | शनि | 20-5-17 | 10 | शनि | 3-6-17 |
| 11 | रवि | 21-5-17 | 11 | रवि | 4-6-17 |
| 12 | सोम | 22-5-17 | 12 | सोम | 5-6-17 |
| 13 | मंगल | 23-5-17 | 13 | मंगल | 6-6-17 |
| 14 | बुध | 24-5-17 | 14 | बुध | 7-6-17 |
| **卐 30** | **वीर** | **25-5-17** | **卐 15** | **वीर** | **8-6-17** |

| आषाढ़ वदी | | | आषाढ़ सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | शुक्र | 9-6-17 | 1 | शनि | 24-6-17 |
| 2 | शनि | 10-6-17 | 2 | रवि | 25-6-17 |
| 3 | रवि | 11-6-17 | 3 | सोम | 26-6-17 |
| 4 | सोम | 12-6-17 | 4 | मंगल | 27-6-17 |
| 5 | मंगल | 13-6-17 | 5 | बुध | 28-6-17 |
| 6 | बुध | 14-6-17 | 6 | गुरु | 29-6-17 |
| 7 | गुरु | 15-6-17 | 7 | शुक्र | 30-6-17 |
| 8 | शुक्र | 16-6-17 | 8 | शनि | 1-7-17 |
| 9 | शनि | 17-6-17 | 9 | रवि | 2-7-17 |
| 10 | रवि | 18-6-17 | 10 | सोम | 3-7-17 |
| 11 | सोम | 19-6-17 | 11 | मंगल | 4-7-17 |
| 12 | मंगल | 20-6-17 | 12 | बुध | 5-7-17 |
| 13 | बुध | 21-6-17 | 13 | गुरु | 6-7-17 |
| 14 | गुरु | 22-6-17 | 14 | शुक्र | 7-7-17 |
| **卐 30** | **शुक्र** | **23-6-17** | **卐 15** | **शनि** | **8-7-17** |

| श्रावण वदी | | | श्रावण सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | रवि | 9-7-17 | 1 | सोम | 24-7-17 |
| 2 | सोम | 10-7-17 | 2 | मंगल | 25-7-17 |
| 3 | मंगल | 11-7-17 | 3 | बुध | 26-7-17 |
| 4 | बुध | 12-7-17 | 4 | गुरु | 27-7-17 |
| 5 | गुरु | 13-7-17 | 5 | शुक्र | 28-7-17 |
| 6 | शुक्र | 14-7-17 | 6 | शनि | 29-7-17 |
| 7 | शनि | 15-7-17 | 7 | रवि | 30-7-17 |
| 8 | रवि | 16-7-17 | 8 | सोम | 31-7-17 |
| 9 | सोम | 17-7-17 | 9 | मंगल | 1-8-17 |
| 10 | मंगल | 18-7-17 | 10 | बुध | 2-8-17 |
| 11 | बुध | 19-7-17 | 11 | गुरु | 3-8-17 |
| 12 | गुरु | 20-7-17 | 12 | शुक्र | 4-8-17 |
| 13 | शुक्र | 21-7-17 | 13 | शनि | 5-8-17 |
| **卐 14** | **शनि** | **22-7-17** | 14 | रवि | 6-8-17 |
| 30 | रवि | 23-7-17 | **卐 15** | **सोम** | **7-8-17** |

| भाद्रपद वदी | | | भाद्रपद सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | क्षय | – | 1 | मंगल | 22-8-17 |
| 2 | मंगल | 8-8-17 | 2 | बुध | 23-8-17 |
| 3 | बुध | 9-8-17 | 3 | गुरु | 24-8-17 |
| 4 | गुरु | 10-8-17 | 4 | शुक्र | 25-8-17 |
| 5 | शुक्र | 11-8-17 | 5 | शनि | 26-8-17 |
| 6 | शनि | 12-8-17 | 6 | रवि | 27-8-17 |
| 7 | रवि | 13-8-17 | 7 | सोम | 28-8-17 |
| 8 | सोम | 14-8-15 | 8 | मंगल | 29-8-17 |
| 9 | मंगल | 15-8-17 | 9 | बुध | 30-8-17 |
| 10 | बुध | 16-8-17 | 10 | गुरु | 31-8-17 |
| 11 | गुरु | 17-8-17 | 11 | शुक्र | 1-9-17 |
| 12 | शुक्र | 18-8-17 | 12 | शनि | 2-9-17 |
| 13 | शनि | 19-8-17 | 13 | रवि | 3-9-17 |
| 14 | रवि | 20-8-17 | 14 | सोम | 4-9-17 |
| **卐 30** | **सोम** | **21-8-17** | **卐 15** | **मंगल** | **5-9-17** |

| आश्विन वदी | | | आश्विन सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | बुध | 6-9-17 | 1 | गुरु | 21-9-17 |
| 2 | गुरु | 7-9-17 | 2 | शुक्र | 22-9-17 |
| 3 | शुक्र | 8-9-17 | 3 | शनि | 23-9-17 |
| 4 | शनि | 9-9-17 | 4 | रवि | 24-9-17 |
| 5 | रवि | 10-9-17 | 5 | सोम | 25-9-17 |
| 6 | सोम | 11-9-17 | 6 | मंगल | 26-9-17 |
| 7 | मंगल | 12-9-17 | 7 | बुध | 27-9-17 |
| 8 | बुध | 13-9-17 | 8 | गुरु | 28-9-17 |
| 9 | गुरु | 14-9-17 | 9 | शुक्र | 29-9-17 |
| 10 | शुक्र | 15-9-17 | 10 | शनि | 30-9-17 |
| 11 | शनि | 16-9-17 | 11 | रवि | 1-10-17 |
| 12 | रवि | 17-9-17 | 12 | सोम | 2-10-17 |
| 13 | सोम | 18-9-17 | 13 | मंगल | 3-10-17 |
| **卐14** | **मंगल** | **19-9-17** | 14 | बुध | 4-10-17 |
| 30 | बुध | 20-9-17 | **卐 15** | **गुरु** | **5-10-17** |

## कार्तिक वदी

| तिथि | वार | तारीख |
|---|---|---|
| 1 | शुक्र | 6-10-17 |
| 2 | शनि | 7-10-17 |
| 3 | क्षय | – |
| 4 | रवि | 8-10-17 |
| 5 | सोम | 9-10-17 |
| 6 | मंगल | 10-10-17 |
| 7 | बुध | 11-10-17 |
| 8 | गुरु | 12-10-17 |
| 9 | शुक्र | 13-10-17 |
| 10 | शनि | 14-10-17 |
| 11 | रवि | 15-10-17 |
| 12 | सोम | 16-10-17 |
| 13 | मंगल | 17-10-17 |
| 14 | बुध | 18-10-17 |
| **卐 30** | **गुरु** | **19-10-17** |

## कार्तिक सुदी

| तिथि | वार | तारीख |
|---|---|---|
| 1 | शुक्र | 20-10-17 |
| 2 | शनि | 21-10-17 |
| 3 | रवि | 22-10-17 |
| 4 | सोम | 23-10-17 |
| 5 | मंगल | 24-10-17 |
| 6 | बुध | 25-10-17 |
| 7 | गुरु | 26-10-17 |
| 8 | शुक्र | 27-10-17 |
| 9 | शनि | 28-10-17 |
| 10 | रवि | 29-10-17 |
| 11 | सोम | 30-10-17 |
| 12 | मंगल | 31-10-17 |
| 13 | बुध | 1-11-17 |
| 14 | गुरु | 2-11-17 |
| **卐 15** | **शुक्र** | **3-11-17** |

| मार्गशीर्ष वदी | | | मार्गशीर्ष सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | शनि | 4-11-17 | 1 | रवि | 19-11-17 |
| 2 | रवि | 5-11-17 | 2 | सोम | 20-11-17 |
| 3 | सोम | 6-11-17 | 3 | मंगल | 21-11-17 |
| 4 | मंगल | 7-11-17 | 4 | बुध | 22-11-17 |
| 5 | बुध | 8-11-17 | 5 | गुरु | 23-11-17 |
| 6 | गुरु | 9-11-17 | 6 | शुक्र | 24-11-17 |
| 7 | शुक्र | 10-11-17 | 7 | शनि | 25-11-17 |
| 8 | शनि | 11-11-17 | 8 | रवि | 26-11-17 |
| 9 | रवि | 12-11-17 | 9 | सोम | 27-11-17 |
| 10 | सोम | 13-11-17 | 10 | मंगल | 28-11-17 |
| 11 | मंगल | 14-11-17 | 11 | बुध | 29-11-17 |
| 12 | बुध | 15-11-17 | 12 | गुरु | 30-11-17 |
| 13 | गुरु | 16-11-17 | 13 | शुक्र | 1-12-17 |
| **卐 14** | **शुक्र** | **17-11-17** | 14 | शनि | 2-12-17 |
| 30 | शनि | 18-11-17 | **卐 15** | **रवि** | **3-12-17** |

| पौष वदी | | | पौष सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | सोम | 4-12-17 | 1 | सोम | 18-12-17 |
| 2 | मंगल | 5-12-17 | 2 | मंगल | 19-12-17 |
| 3 | बुध | 6-12-17 | 3 | बुध | 20-12-17 |
| 4 | गुरु | 7-12-17 | 4 | गुरु | 21-12-17 |
| 5 | शुक्र | 8-12-17 | 5 | शुक्र | 22-12-17 |
| 6 | शनि | 9-12-17 | 6 | शनि | 23-12-17 |
| 7 | रवि | 10-12-17 | 7 | रवि | 24-12-17 |
| 8 | सोम | 11-12-17 | 8 | सोम | 25-12-17 |
| 9 | क्षय | – | 9 | मंगल | 26-12-17 |
| 10 | मंगल | 12-12-17 | 10 | बुध | 27-12-17 |
| 11 | बुध | 13-12-17 | 11 | गुरु | 28-12-17 |
| 12 | गुरु | 14-12-17 | 12 | शुक्र | 29-12-17 |
| 13 | शुक्र | 15-12-17 | 13 | शनि | 30-12-17 |
| 14 | शनि | 16-12-17 | 14 | रवि | 31-12-17 |
| **卐 30** | **रवि** | **17-12-17** | **卐 15** | **सोम** | **1-1-18** |

| माघ वदी | | | माघ सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | मंगल | 2-1-18 | 1 | बुध | 17-1-18 |
| 2 | बुध | 3-1-18 | 2 | गुरु | 18-1-18 |
| 3 | गुरु | 4-1-18 | 3 | शुक्र | 19-1-18 |
| 4 | शुक्र | 5-1-18 | 4 | शनि | 20-1-18 |
| 5 | शनि | 6-1-18 | 5 | रवि | 21-1-18 |
| 6 | रवि | 7-1-18 | 6 | सोम | 22-1-18 |
| 7 | सोम | 8-1-18 | 7 | मंगल | 23-1-18 |
| 8 | मंगल | 9-1-18 | 8 | बुध | 24-1-18 |
| 9 | बुध | 10-1-18 | 9 | गुरु | 25-1-18 |
| 10 | गुरु | 11-1-18 | 10 | शुक्र | 26-1-18 |
| 11 | शुक्र | 12-1-18 | 11 | शनि | 27-1-18 |
| 12 | शनि | 13-1-18 | 12 | रवि | 28-1-18 |
| 13 | रवि | 14-1-18 | 13 | सोम | 29-1-18 |
| 14 | सोम | 15-1-18 | 14 | मंगल | 30-1-18 |
| **卐 30** | **मंगल** | **16-1-18** | **卐 15** | **बुध** | **31-1-18** |

| फाल्गुन वदी | | | फाल्गुन सुदी | | |
|---|---|---|---|---|---|
| तिथि | वार | तारीख | तिथि | वार | तारीख |
| 1 | गुरु | 1-2-18 | 1 | शुक्र | 16-2-18 |
| 2 | शुक्र | 2-2-18 | 2 | शनि | 17-2-18 |
| 3 | शनि | 3-2-18 | 3 | – | क्षय |
| 4 | रवि | 4-2-18 | 4 | रवि | 18-2-18 |
| 5 | सोम | 5-2-18 | 5 | सोम | 19-2-18 |
| 6 | मंगल | 6-2-18 | 6 | मंगल | 20-2-18 |
| 7 | बुध | 7-2-18 | 7 | बुध | 21-2-18 |
| 8 | गुरु | 8-2-18 | 8 | गुरु | 22-2-18 |
| 9 | शुक्र | 9-2-18 | 9 | शुक्र | 23-2-18 |
| 10 | शनि | 10-2-18 | 10 | शनि | 24-2-18 |
| 11 | रवि | 11-2-18 | 11 | रवि | 25-2-18 |
| 12 | सोम | 12-2-18 | 12 | सोम | 26-2-18 |
| 13 | मंगल | 13-2-18 | 13 | मंगल | 27-2-18 |
| 14 | बुध | 14-2-18 | 14 | बुध | 28-2-18 |
| **卐 30** | **गुरु** | **15-2-18** | **卐 15** | **गुरु** | **1-3-18** |

## चैत्र वदी

| तिथि | वार | तारीख |
|---|---|---|
| 1 | शुक्रवार | 2-3-18 |
| 2 | शनिवार | 3-3-18 |
| 3 | रविवार | 4-3-18 |
| 4 | सोमवार | 5-3-18 |
| 5 | मंगलवार | 6-3-18 |
| 6 | बुधवार | 7-3-18 |
| 7 | गुरुवार | 8-3-18 |
| 8 | शुक्रवार | 9-3-18 |
| 9 | शनिवार | 10-3-18 |
| 10 | रविवार | 11-3-18 |
| 11 | सोमवार | 12-3-18 |
| 12 | मंगलवार | 13-3-18 |
| 13 | बुधवार | 14-3-18 |
| 14 | गुरुवार | 15-3-18 |
| **卐 30** | **शुक्रवार** | **16-3-18** |

## पाक्षिक (पक्खी) के पर्व

| मास-पक्ष | वार | दिनांक |
|---|---|---|
| चैत्र सुदी | सोमवार | 10-4-17 |
| वैशाख वदी | मंगलवार | 25-4-17 |
| वैशाख सुदी | बुधवार | 10-5-17 |
| ज्येष्ठ वदी | गुरुवार | 25-5-17 |
| ज्येष्ठ सुदी | गुरुवार | 8-6-17 |
| आषाढ़ वदी | शुक्रवार | 23-6-17 |
| आषाढ़ सुदी | शनिवार | 8-7-17 |
| श्रावण वदी | शनिवार | 22-7-17 |
| श्रावण सुदी | सोमवार | 7-8-17 |
| भाद्रपद वदी | सोमवार | 21-8-17 |
| भाद्रपद सुदी | मंगलवार | 5-9-17 |
| आसोज वदी | मंगलवार | 19-9-17 |
| आसोज सुदी | वीरवार | 5-10-17 |

| मास-पक्ष | वार | दिनांक |
|---|---|---|
| कार्तिक वदी | गुरुवार | 19-10-17 |
| कार्तिक सुदी | शुक्रवार | 3-11-17 |
| मार्गशीर्ष वदी | शुक्रवार | 17-11-17 |
| मार्गशीर्ष सुदी | रविवार | 3-12-17 |
| पौष वदी | रविवार | 17-12-17 |
| पौष सुदी | सोमवार | 1-1-18 |
| माघ वदी | मंगलवार | 16-1-18 |
| माघ सुदी | बुधवार | 31-1-18 |
| फाल्गुन वदी | गुरुवार | 15-2-18 |
| फाल्गुन सुदी | गुरुवार | 1-3-18 |
| चैत्र वदी | शुक्रवार | 16-3-18 |

**विशेष :** पक्खी के दिन सामायिक, संवर, स्वाध्याय और तप की विशेष आराधना करें।

## रोहिणी नक्षत्र

| महीना | वार | दिनांक |
|---|---|---|
| चैत्र शुक्ल-5 | शनिवार | 1-4-2017 |
| वैशाख | शनिवार | 29-4-2017 |
| ज्येष्ठ | शुक्रवार | 26-5-2017 |
| आषाढ | शुक्रवार | 23-6-2017 |
| श्रावण | गुरुवार | 20-7-2017 |
| भाद्रपद | बुधवार | 16-8-2017 |
| आश्विन | मंगलवार | 12-9-2017 |
| कार्तिक | मंगलवार | 10-10-2017 |
| मार्गशीर्ष | सोमवार | 6-11-2017 |
| पौष | रविवार | 3-12-2017 |
| पौष | रविवार | 31-12-2017 |
| माघ | शनिवार | 27-1-2018 |
| फाल्गुन | शनिवार | 24-2-2018 |

## ज्ञान पंचमी

| मास | वार | दिनांक |
|---|---|---|
| चैत्र शुक्ला 5 | शनिवार | 1-4-17 |
| वैशाख शुक्ला 5 | रविवार | 30-4-17 |
| ज्येष्ठ शुक्ला 5 | मंगलवार | 30-5-17 |
| आषाढ़ शुक्ला 5 | बुधवार | 28-6-17 |
| श्रावण शुक्ला 5 | गुरुवार | 27-7-17 |
| भाद्रपद शुक्ला 5 | शनिवार | 26-8-17 |
| आश्विन शुक्ला 5 | सोमवार | 25-9-17 |
| कार्तिक शुक्ला 5 | मंगलवार | 24-10-17 |
| मार्गशीर्ष शुक्ला 5 | गुरुवार | 23-11-17 |
| पौष शुक्ला 5 | शनिवार | 23-12-17 |
| माघ शुक्ला 5 | सोमवार | 22-1-18 |
| फाल्गुन शुक्ला 5 | मंगलवार | 20-2-18 |

## संक्रांति

| महीना | संक्रान्ति | दिनांक | वार | मुहूर्त्त |
|---|---|---|---|---|
| वैशाख | मेष | 13-4-17 | गुरु | 45 |
| ज्येष्ठ | वृषभ | 14-5-17 | रवि | 30 |
| आषाढ़ | मिथुन | 15-6-17 | गुरु | 30 |
| श्रावण | कर्क | 16-7-17 | रवि | 30 |
| भादवा | सिंह | 16-8-17 | बुध | 45 |
| आसोज | कन्या | 16-9-17 | शनि | 30 |
| कार्तिक | तुला | 17-10-17 | मंगल | 45 |
| मंगसिर | वृश्चिक | 16-11-17 | गुरु | 30 |
| पौष | धनु | 15-12-17 | शुक्र | 30 |
| माघ | मकर | 14-1-18 | रवि | – |
| फाल्गुण | कुंभ | 12-2-18 | सोम | 45 |
| चैत्र | मीन | 14-3-18 | बुध | 30 |

## पुष्य नक्षत्र

| मास | वार | दिनांक |
|---|---|---|
| चैत्र शुक्ल-9 | बुधवार | 5-4-2017 |
| वैशाख | मंगलवार | 2-5-2017 |
| ज्येष्ठ | मंगलवार | 30-5-2017 |
| आषाढ़ | सोमवार | 26-6-2017 |
| श्रावण | रविवार | 23-7-2017 |
| भाद्रपद | रविवार | 20-8-2017 |
| आश्विन | शनिवार | 16-9-2017 |
| कार्तिक | शुक्रवार | 13-10-2017 |
| मार्गशीर्ष | शुक्रवार | 10-11-2017 |
| पौष | गुरुवार | 7-12-2017 |
| माघ | बुधवार | 3-1-2018 |
| माघ | बुधवार | 31-1-2018 |
| फाल्गुन | मंगलवार | 27-2-2018 |

## दिन के चौघड़िये

**( चौघड़िया प्रारंभ सूर्योदय से :**
**प्रत्येक चौघड़िया 1 घण्टा 30 मिनट )**

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल |
| चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |
| लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग |
| अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग |
| काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल |
| शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |
| रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत |
| उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल |

## रात्रि के चौघड़िये

**( चौघड़िया प्रारंभ सूर्योदय से :**
**प्रत्येक चौघड़िया 1 घण्टा 30 मिनट )**

| रवि | सोम | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |
| अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग |
| चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ |
| रोग | लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत |
| काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल |
| लाभ | शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग |
| उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ | शुभ | चल | काल |
| शुभ | चल | काल | उद्वेग | अमृत | रोग | लाभ |

## लोगस्स-चतुर्विंशति स्तव-सूत्र

लोगस्स उज्जोयगरे, धम्म-तित्थयरे जिणे।
अरिहंते कित्तइस्सं, चउवीसं पि केवली।।1।।

उसभ-मजियं च वंदे, सम्भवमभिणंदणं च सुमइं च।
पउमप्पहं सुपासं, जिणं च चंदप्पहं वंदे।।2।।

सुविहिं च पुप्फदंतं, सीअल-सिज्जंस-वासुपुज्जं च।
विमलमणंतं च जिणं, धम्मं संतिं च वंदामि।।3।।

कुंथुं अरं च मल्लिं वंदे मुणिसुव्वयं नमिजिणं च।
वंदामि रिट्ठनेमिं, पासं तह वद्धमाणं च।।4।।

एवं मए अभित्थुआ, विहूय-रयमला पहीण जरमरणा।
चउवीसं पि जिणवरा, तित्थयरा मे पसीयंतु।।5।।

कित्तिय-वंदिय-महिया, जे ए लोगस्स उत्तमा सिद्धा।
आरोग्ग-बोहि लाभं, समाहिवरमुत्तमं दिंतु।।6।।

चन्देसु निम्मलयरा, आइच्चेसु अहियं पयासयरा।
सागर-वर-गम्भीरा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसन्तु।।7।।

## नमोत्थुणं-प्रणिपात-सूत्र

नमोत्थुणं! अरिहंताणं, भगवंताणं।। 1।।
आइगराणं, तित्थयराणं, सयं-संबुद्धाणं।। 2।।
पुरिसुत्तमाणं, पुरिससीहाणं, पुरिसवर
पुंडरीयाणं, पुरिसवरगंधहत्थीणं।। 3।।
लोगुत्तमाणं, लोगनाहाणं, लोगहियाणं,
लोगपईवाणं, लोग-पज्जोयगराणं।। 4।।
अभयदयाणं, चक्खुदयाणं, मग्गदयाणं,
सरणदयाणं, जीवदयाणं, बोहिदयाणं।। 5।।
धम्मदयाणं, धम्मदेसयाणं, धम्मनायगाणं,
धम्मसारहीणं, धम्मवरचाउरंत, चक्कवट्टीणं।। 6।।
दीव त्ताण-सरण-गइ-पइट्ठाणं, अप्पडिहय-
वरनाण दंसण-धराणं, विअट्टछउमाणं।। 7।।
जिणाणं जावयाणं, तिन्नाणं तारयाणं,
बुद्धाणं बोहियाणं, मुत्ताणं, मोयगाणं।। 8।।
सव्वन्नूणं, सव्व-दरिसीणं, सिव-मयल-मरुय मणंत-
मक्खय-मव्वाबाह-मपुणरावित्ति सिद्धिगइ नामधेयं
ठाणं, संपत्ताणं नमो जिणाणं जियभयाणं।। 9-10।।

## श्री उपसर्गहर स्तोत्र

**(27 बार जाप करें)**

उवसग्गहरं पासं, पासं वंदामि कम्मघण-मुक्कं।
विसहर विस-निन्नासं, मंगल-कल्लाण-आवासं।।1।।
विसहर फुल्लिग मंतं, कंठे धारेइ जो सया मणुओ।
तस्स गह-रोग-मारी, दुट्ठ जरा जंति उवसामं।।2।।
चिट्ठउ दूरे मंतो तुज्झ, पणामो वि बहुफलो होइ।
नरतिरिएसु वि जीवा, पावंति न दुक्ख दोहग्गं।।3।।
तुह सम्मत्ते लद्धे, चिंतामणि कप्पपाय वब्भहिये।
पावंति अविग्घेणं, जीवा अयरामरं ठाणं।।4।।
इअ संथुओ महायस! भत्तिब्भर निब्भरेण हियएण।
ता देव दिज्ज बोहिं, भवे-भवे पास जिणचंद।।5।।

श्री भद्रबाहुस्वामी प्रसादात एष योग फलतु।

(7 बार)

ॐ ह्रीं श्रीं अर्हं नमिऊण पास विसहर वसह जिण फुलिंग ह्रीं श्रीं नमः। (108 बार)

## चौबीसी

श्री आदि जिनंदं, समरसकंदं अजित जिनंदं, भज प्राणी।
संभव जग त्राता, शिव मग राता, दो सुख साता, हित आणी।
अभिनन्दन देवा, सुमति सुसेवा, करो नितमेवा, रिपु धाता।
चौबीस जिनराया, मन-वच काया, प्रणमूं पाया, दो साता।। टेर 1।।

श्री पद्म सुपासं, शशि गुण रासं, सुविधि सुवासं, हितकारी।
श्री शीतल स्वामी, अंतर्यामी, शिवगति गामी, उपकारी।
श्रेयांस दयाला, परम कृपाला, भविजन व्हाला, जगत्राता।। 2।।

वासुपूज्य सुकंतं, विमल अनंतं, धर्म श्री संतं, शांतिकारी।
कुन्थु अरनाथं, तज जग साथं, मल्लिं-सुआसं, संगधारी।
मुनि सुव्रत सुनमि, आत्मा ने दमी, दुर्मति न वमी, तप राता।।3।।

अरिष्टनेमि बड़ाई, नार न ब्याही, तोरण जाई, छिटकाई।
नाग नागण तांई, दिया बचाई, पारस सांई, सुख-दाई।
जय-जय वर्धमानं, गुण निधि खानं, त्रिजग भानं, शुद्ध ज्ञाता।। 4।।

संसार का फंदा, दूर निकंदा, धर्म का छंदा, जिन लीना।
प्रभु केवल पाया, धर्म सुनाया, भवि समझाया, मुनि कीना।
कहे रिख तिलोकं, सदा तस धोकं, चित्त चाता।। 5।।

## अरिहंताणं ओम नमो अरिहंताणं

अरिहंताणं ओम नमो अरिहंताणं।। ध्रु.।।

घबराओ ना दु:ख से जीवन में, जीवन सुख दु:ख का मेला है।
शरणा ले लो अरिहंतों का, क्यों करता व्यर्थ झमेला है।
यह प्रभु सिमरन की बेला है।।1।।

जीवन की बगिया फलती रहे, करनी इसकी रखवाली है।
तप संयम धर्म करो बंधु, अरे ! इनकी शक्ति निराली है।।
अरिहंताणं ओम नमो अरिहंताणं।।2।।

तजो क्रोध मान और अहंकार, माया दु:ख देने वाली है।
मत ओढ़ो ममता की चादर, समता सुख देने वाली है।।
अरिहंताणं ओम नमो अरिहंताणं।।3।।

मानव का जन्म अमोल मिला, जैसे अमृत की प्याली है।
कहे ऋषि मुनि शुभ कर्मों से, यह कभी न होती खाली है।।
अरिहंताणं ओम नमो अरिहंताणं।।4।।

## नवकार मंत्र है महामंत्र

नवकार मंत्र है महामंत्र इस मंत्र की महिमा भारी है।
आगम में कथी गुरुवर से सुनी, अनुभव में जिसे उतारी है।।ध्रु.।।

अरिहंताणं पद पहला है, अरि आर्त्ती दूर भगाता है।
सिद्धाणं सुमिरन करने से, मनवांछित सिद्धि पाता है।
आयरियाणं तो अष्ट सिद्धि, नवनिधि के भण्डारी हैं।।1।।

उवज्झायाणं अज्ञान तिमिर हर, ज्ञान प्रकाश फैलाता है।
सव्व साहूणं सब सुखदाता, तन-मन को स्वस्थ बनाता है।
पद पांच के सुमिरन करने से, मिट जाती सकल बीमारी है।।2।।

श्रीपाल, सुदर्शन, मयणरेया, जिसने भी जपा आनन्द पाया।
जीवन के सूने पतझड़ में, फिर फूल खिले सौरभ छाया।
मन नन्दन वन में रमण करे, यह ऐसा मंगलकारी है।।3।।

नित्य नई बधाई सुनें कान, लक्ष्मी वर माला पहनाती।
अशोक मुनि जय विजय मिले, शान्ति प्रसन्नता बढ़ जाती।
सन्मान मिले, सत्कार मिले, भव जल से नैया तारी है।।4।।

卐

## रोम-रोम से उठे पुकार

रोम-रोम से उठे पुकार अरिहंत पद की जय-जयकार।
करूं वंदना शत-शत बार, भक्ति भाव कर लो स्वीकार।।ध्रु.।।

देह मोह उपाधि संसार, त्याग करूं मैं चार आहार।
अष्टादश पापों का भार, तनिक देर दूं उसे उतार।। 1।।

मैंने दुष्कृत किए अपार, वोसिरामि है बार हजार।
मृत्यु आ पहुंचे यदि द्वार, चार शरण कर लूं स्वीकार।।2।।

जीवित रहूं तो सब आगार, करना होगा जग व्यवहार।
जब तक नहीं पढ़ूं नवकार, बंद रहे आश्रव के द्वार।।3।।

सांसों की निज बजे सितार, सोऽहम्-सोऽहम् की झंकार।
आत्मध्यान का ले आधार, पहुंचूं सुख-दुःख के उस पार।।
ललित जागरण जीवन सार, करूं समाधि को स्वीकार।।4।।

# सिद्ध स्तुति

(देवाधिदेव श्री सिद्ध भगवान् की स्तुति)

सेवो सिद्ध सदा जयकार, जासे होवे मंगलाचार।। टेर।।
अज-अविनाशी अगम अगोचर, अमल अचल अविकार।
अन्तर्यामी त्रिभुवन-स्वामी, अमित शक्ति-भण्डार।।1।।
कर पणट्ठ कम्मट्ठ अट्ठ गुण-युक्त मुक्त संसार।
पायो पद परमेष्ठी तास पद, बंदूं बारं-बार।।2।।
सिद्ध प्रभु का सुमरण जग में, सकल सिद्धि दातार।
मन-वांछित पूरण सुर-तरुसम, चिन्ता-चूरण-हार।।3।।
जपे जाप योगीश रात-दिन, ध्यावे हृदय मंझार।
तीर्थंकर हू प्रण में उनको, जब होवे अणगार।।4।।
सूर्योदय के समय भक्ति-युत, स्थिर चित्त दृढ़ता धार।
जपे 'सिद्ध' यह जाप तास घर, होवे ऋद्धि अपार।।5।।
श्री सिद्धस्तुति पढ़े भाव से, प्रतिदिन जो नर-नार।
सो दिव शिव सुख पावे निश्चय, बना रहे सरदार।।6।।
माधवमुनि कहे सकल संघ में, बढ़े हमेशा प्यार।
विद्या-विनय-विवेक-समन्वित, पावे प्रचुर प्रचार।।7।।

## ॐ जय महावीर प्रभो

ॐ जय महावीर प्रभो! स्वामी जय महावीर प्रभो!
जग नायक सुखदायक, अति गम्भीर प्रभो! ॐ ....

कुण्डलपुर में जन्मे, त्रिशला के जाये। स्वामी...
पिता सिद्धार्थ राजा, सुर नर हर्षाए।। ॐ ....

दीनानाथ दयानिधि, हैं मंगलकारी। स्वामी...
जग हित संयम धारा, प्रभु पर-उपकारी।। ॐ ....

पापाचार मिटाया, सत्पथ दिखलाया। स्वामी...
दया-धर्म का झण्डा, जग में लहराया।। ॐ ....

अर्जुनमाली गौतम, श्री चन्दनबाला। स्वामी...
पार जगत से बेड़ा, इनका कर डाला।। ॐ ....

पावन नाम तुम्हारा, जग तारणहारा। स्वामी...
निशदिन जो नर ध्यावे, कष्ट मिटे सारा।। ॐ ....

करुणा सागर! तेरी महिमा है न्यारी। स्वामी...
''ज्ञानमुनि'' गुण गावे, चरणन बलिहारी।। ॐ ....

ध्वनि : ॐ जय जगदीश हरे...

## ॐ जय जय शिव स्वामी

ॐ जय जय शिव स्वामी, स्वामी मुक्तपुरी गामी!
जीवन दिव्य निराला, तप जप के कामी। ॐ ....
भाग्यवती मां विद्या, जन्म मलोट लिया। स्वामी....
पिता चिरंजी प्यारे, सबको धन्य किया। ॐ ....
कण-कण में है समता, मन केसर क्यारी। स्वामी....
ज्ञान ध्यान है पावन, जन-जन बलिहारी। ॐ ....
संत बने यौवन में, तप के दीप जले। स्वामी....
जैन-साधना अनुपम, विरला मनुज चले। ॐ ....
आत्म-ज्ञान के राही, कंचन सम काया। स्वामी....
ज्ञान मुनि गुरु ज्ञानी, मंगल शुभ छाया। ॐ ....
निर्मल पावन सुखकर, वाणी है प्यारी। स्वामी....
तन-मन शान्त बनाये, मंगल हितकारी। ॐ ....
कल्पवृक्ष हो दाता! दुनिया नमन करे। स्वामी....
दया दृष्टि गुरु तेरी, सबके कष्ट हरे। ॐ....
चिंतामणी गुरुवर हो! हम सब गुण गावें। स्वामी....
महिमा गरिमा न्यारी, सबके मन भावे। ॐ....

ध्वनि : ॐ जय जगदीश हरे...

## गुरु वन्दना

गुरुदेव! तुम्हें नमस्कार बार-बार है।
श्री चरण शरण में हुआ, जीवन सुधार है।

अज्ञान तम हटाके, ज्ञान ज्योति जगा दी।
दृढ़ आत्मज्ञान में, अखंड दृष्टि लगा दी।
उपदेश सदाचार, सकल शास्त्र सार है।।1।।

विधियुक्त सिर झुका के, कर रहे हैं वंदना।
अब हो रही मंगलमयी, सद्भाव-स्पंदना।
माधुर्य से मिटा रही, मन का विकार है।।2।।

यह है मनोरथ नित्य रहें संत चरण में।
अन्तिम समय समाधि मरण चार शरण में।
यह सूर्य-चन्द्र मोक्ष मार्ग में विहार है।
गुरुदेव! तुम्हें नमस्कार बार-बार है।।3।।